Title: Regarding an article published in the NCERT journal by the Secretary, Ministry of Human Resource Development.

श्री बलबीर सिंह (जालन्धर) : मि. डिप्टी स्पीकर, मैं एक बहुत ही गम्भीर और शर्मनाक शरारतंगेज मामले की ओर इस सदन का ध्यान खींचना चाहता हूं। देश के सैकुलर फैब्रिक पर घातक हमला किया गया है। एच.आर.डी..मिनिस्ट्री के एक सीनियर आफिसर श्री कॉव ने एन.सी.इ.आर.टी. के आफिशियल जर्नल में एक आर्टिकल - 'Education in Human values' लिखा है जिसे मैं कोट करता हूं : "The greatest damage to our intellectual freedom has been caused by traditional religions especially by those which have a single holy book from which they derive their authority. "

इस तरह से मुकद्दस कुरान, मुकद्दस बाइबल, मुकद्दस गुरू-ग्रन्थ-साहिब पर घातक हमला किया गया है। धर्म का निरादर किया गया है। यह बहुत बुरी बात है। To add insult to injury, he added : "We tend to forget that these religions have been founded by people like us. "वे अपनी तुलना जीसस, हजरत मोहम्मद, गुरु नानक से करते हैं। यह देश के लिये बहुत ही खतरनाक बात है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले। सरकार को मि. कॉव के आर्टिकल पर बैन लगाना चाहिये, उसे डिसमिस करना चाहिये और उसे प्रोसीक्यूट करना चाहिये। डा. जोशी सैफर्नाइजेशन के पीछे लगे हुये हैं, उन्हें रिज़ाइन करना चाहिये। मैं मानता हूं कि यह धर्म का निरादर है। मेरे ख्याल से सारा हाउस इस मामले को गंभीरता से लेगा। अकाली भाई अपने आपको धर्म का रख वाला मानते हैं लेकिन कुर्सी की खातिर सरकार से चिपके हुये हैं। मैं उनसे विनती करूंगा कि वे सरकार छोड़कर आ जायें। This is a very serious matter.

श्री शमशेर सिंह दूलो (रोपड़) : उपाध्यक्ष जी, इस मामले की इंक्वायरी होनी चाहिये। सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिये। वह गवर्नमेंट आफिशियल है, उसके खिलाफ एक्शन होना चाहिये।

SHRI BALBIR SINGH : He should be dismissed immediately.

श्री शमशेर सिंह दूलो (रोपड़) : उपाध्यक्ष जी, ये लोग अपनी तुलना गुरुनानक जी से और गुरु गोविद सिंह जी से करते हैं...

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, he has raised a very important and sensitive matter. This article was written by none other than the Secretary, Ministry of Human Resource Development. It was published in the official document of the Ministry.

Sir, we have the tradition of respecting all religions. We do not compare one religion with another and put one religion or some religions in a bad light which was done by none other than the Secretary, Ministry of Human Resource Development. That is the point and he did not do it in his private capacity. It was done in an official organ. His public explanation was that it was his personal view. How can a Secretary express his personal view in an official article? It has hurt the sentiments of not only the Muslims and Christians but also Sikhs and many others. Sir, what is this happening in the Ministry of Human Resource Development?

श्री शमशेर सिंह दूलो : उपाध्यक्ष जी, सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिये कि वह क्या कर रही है? यह बहुत गंभीर मामला है।

SHRI S. JAIPAL REDDY : How can he be Secretary of the Ministry of Human Resource Development?

श्री शमशेर सिंह दूलो (रोपड़) : वह एक सरकारी कर्मचारी है और इस तरह का आर्टिकल लिखे - यह गंभीर बात है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Minister, do you want to say something?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, I would bring it to the notice of the Minister of Human Resource Development. I cannot react on this issue. Shri Jaipal Reddy goes out and comes up with some new point.

SHRI S. JAIPAL REDDY : This matter has been published in the press.

श्री प्रमोद महाजनः उपाध्यक्ष जी, सरकार के लिये सभी धर्म एक समान हैं। हम सभी सर्व धर्म समभाव में विश्वास रखते हैं। उन्होंने जो मुद्दा उठाया है, मैं उसका यहां उत्तर नहीं दे सकता।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, उत्तर नहीं दे सकते लेकिन सैक्रेटरी ने आफिशियल आर्गन या किताब में जो आर्टिकल लिखा है, वह आब्जैक्शनेबल है या नहीं, वह कनफर्म करें।

श्री प्रमोद महाजन : सर, मैंने आर्टीकल नहीं देखा है, ऑर्गन नहीं देखा है, मैं देखने के बाद ही कुछ बताऊंगा।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You take note of it and find out.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I have already said it. ...(*Interruptions*)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : सर, यह एक गम्भीर मामला है। धर्मनिरपेक्ष देश में किसी धर्म के बारे में ऐसा कैसे लिखा जा सकता है।â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, इस सरकार के इशारे पर सरकार के अधिकारी अल्पसंख्यकों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

श्री कांतिलाल भूरिया : सरकार के इतने बड़े अधिकारी ने यह लिखा है।â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : सर, यह धर्मनिरपेक्ष राट्र है और इसमें किसी को किसी की धार्मिक भावना पर कुठाराघात करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।â€¦(व्यवधान)

श्री शमशेर सिंह दूलो : सर, सरकार इस बारे में स्पटीकरण दे।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: He has already said that he would bring it to the notice of the HRD Minister.

कुंवर अखिलेश सिंह : संसदीय कार्य मंत्री सदन से चले गये हैं, वह आकर सदन में इस पर स्पटीकरण दें।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What else can I do?

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: He has already responded. How many times do you want him to react?

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Please resume your seats.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: He has already mentioned that the matter would be brought before the Minister concerned.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

12.48 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.06 hrs

The Lok Sabha re-assembled at six minutes

past Fourteen of the Clock.

(Mr. Speaker *in the Chair*)